ब्रिटिश भारत में शिक्षा का विकास

- ☞ गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1780 ई. में 'कलकत्ता मदरसा' की स्थापना की, जिसमें फारसी और अरबी भाषा का अध्ययन होता था।
- ☞ विलियम जोंस ने 1784 ई. में 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' की स्थापना की।
- ☞ ब्रिटिश रेजीडेंट जोनाथन डंकन ने 1791 ई. में वाराणसी में हिंदू कानून और दशर्न हेतु संस्कृत कॉलेज की स्थापना की थी।
- ☞ लॉर्ड वेलेजली ने 1800 ई. में कंपनी के असैनिक अधिकारियों की शिक्षा के लिए फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की।
- ☞ लॉर्ड मैकाले ने 1835 ई. में स्मरणार्थ लेख प्रस्तुत किया, जिसमें भारतीय भाषा एवं साहित्य की आलोचना तथा आंग्ल भाषा एवं साहित्य की प्रशंसा की गई थी।
- ☞ अलेक्जेंडर डफ द्वारा शिक्षा के अधोमुखी निस्यंदन के सिद्वान्त का प्रतिपादन किया गया था।
- ☞ चार्ल्स वुड के डिस्पैच को 1854 ई. भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।
- ☞ हंटर कमीशन का गठन 1882 ई. में किया गया था, जिसने 'प्राथिम शिक्षा के प्रसार हेतु' उपाय सुझाया था।
- ☞ थॉमस रैले की अध्यक्षता में वर्ष 1902 में 'विश्वविद्यालय आयोग का गठन किया गया था।
- ☞ लॉर्ड कर्जन के काल में 'कृषि और पुरातत्व विभाग' की स्थापना की गई थी।
- ☞ महिलाओं की शिक्षा पर सरकारी स्तर पर पहली बार 'वुड डिस्पैच' में व्यवस्था की गई हंटर कमीशन तथा सैडलर कमीशन की रिपोर्ट में भी स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने का सुझाव दिया गया।
- ☞ लंदन विश्वविद्यालय के आधार पर वुड के डिस्पैच में कलकत्ता, बंबई एवं मद्रास प्रेसीडेसियों में विश्वविद्यालय की स्थापना का सुझाव दिया गया था।
- ☞ पहली बार कंपनी सरकार द्वारा 1813 ई. के चार्टर एक्ट में भारतीय शिक्षा पर एक लाख रू खर्च करने का प्रावधान किया गया था।
- ☞ प्राच्य विद्या समर्थकों में प्रमुख थे एच.टी. प्रिसेप, एच.एच.विल्सन।
- ☞ राधाकृष्णन आयोग (1948) के सुझावों पर भारत सरकार ने वर्ष 1953 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना की।
- ☞ महिला शिक्षा की दिशा में प्रथम भारतीय प्रयास 'ब्रह्मा समाज' ने किया था।
- ☞ भारत में 'भारतीय लोक सेवा' का गठन कार्नवालिस ने किया था। इसलिए उस 'भारतीय लोक सभा' का जनक माना जाता है।
- ☞ शि़क्षा के विकास पर रिपोर्ट देने हेतु हार्टोग समिति का गठन वर्ष 1929 में फिलिप हार्टोग की

Ranjeet Yadav Sir

अध्यक्षता में किया गया था।

☞ इस समिति की सिफारिश पर वर्ष 1935 में 'केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड' का पुनर्गठन हुआ।

☞ सार्जेंट योजना वर्ष 1944 में प्रस्तुत की गई थी।

भारतीय समाचार-पत्रो का इतिहास

☞ भारत में प्रिंटिंग प्रेस की शुरूआत सोलहवीं सदी में पुर्तगाली मिशनरियों द्वारा की गई थी।

☞ गोवा के पादरियों ने 1557 ई. में भारत मे पहली पुस्तक छापी थी।

☞ जेम्स आगस्टस हिक्की ने 1780 ई. में The Bengal Gazuette (द बंगाल गजट) का प्रकाशन किया, जिसे भारत का प्रथम अखबार माना जाता है।

☞ किसी भारतीय द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित पहला समाचार-पत्र 1816 ई में प्रकाशित 'बंगाल गजट' था, जिसका प्रकाशन गंगाधर भट्टाचार्य ने किया।

☞ भारत ने राष्ट्रीय प्रेस की स्थापना का श्रेय राजा राममोहन राय को है जिन्होनें संवाद कौमुदी, मिरात-उल-अखबार का प्रकाशन किया था।

☞ ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाली भाषा मं सोम प्रकाश का प्रकाशन किया था।

☞ लिटन का 'वर्नाक्यूलर (देशी भाषा) प्रेस एक्ट' के तहत सोम प्रकाश और भारत मिहिर के विरूद्ध कार्यवाही हुई थी।

☞ हिंदू पैट्रियाट के संपादक क्रिस्टो दास पाल थे, जिन्हे 'पत्रकारिता का राजकुमार' कहा जाता था।

☞ कलकत्ता से बांग्ला भाषा में 1868 ई. में मोतीलाल घोष ने 'अमृत बाजार पत्रिका' का प्रकाशन किया।

☞ लिटन के वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट से बचने के लिए यह (अमृत बाजार) समाचार-पत्र रातों-रात अंग्रेजी साप्ताहिक में परिवर्तित हो गया।

☞ बंबई से बाल गंगाधर तिलक द्वारा अंग्रेजी में 'मराठा' और मराठी में 'केसरी' का प्रकाशन किया गया।

☞ जुगलकिशोर द्वारा 1826 ई. में कलकत्ता से हिंदी में प्रकाशित 'उदंड मार्तड' भारत का पहला हिंदी समाचार-पत्र थां।

☞ 'गदर' का प्रकाशन सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) से वर्ष 1913 में किया गया। इसका प्रकाशन उर्दू, अंग्रेजी तथा पंजाबी में प्रारंभ हुआ।

☞ अनियमित रूप से गदर हिंदी, मराठी, गुजराती तथा पश्तों (केवल एक अंक) में भी प्रकाशित हुआ।

प्रेस के विरूद्ध लगाए गए प्रतिबंध

☞ लॉर्ड वेलेजली ने 1799 ई. में प्रेस नियंत्रण अधिनियम (सेसरशिप) द्वारा समाचार-पत्रों पर नियंत्रण

Ranjeet Yadav Sir

लगाया।

- ☞ लॉर्ड हेस्टिंग्स ने 1818 ई. में इस अधिनियम को समाप्त कर दिया।
- ☞ गवर्नर जनरल एडम्स ने 1823 ई. में अनुज्ञप्ति नियम बनाकर मुद्रक तथा प्रकाशन के मुद्रणालय स्थापति करने से पूर्व लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया।
- ☞ गवर्नर जनलर विलियम बैंटिक का दृष्टिकोण भारतीय समाचार-पत्रों के प्रति उदार था।
- ☞ चार्ल्स मेटकॉफ को समाचार-पत्रों का 'मुक्तिदाता' कहा जाता है।
- ☞ मेटकॉफ ने 'लिबरेशन ऑफ दि इंडियन प्रेस एक्ट' लागू करवाया था।
- ☞ 1882 ई. में रिपन ने इस अधिनियम को समाप्त कर दिया।
- ☞ वर्ष 1908 में न्यूज पेपर एक्ट पारित किया गया था।
- ☞ इंडियन प्रेस एक्ट वर्ष 1910 में पारित हुआ था।
- ☞ समाचार-पत्र संबंधी कानूनों की समीक्षा हेतृ वर्ष 1921 में तेज बहादुर सप्रू की अध्यक्षता में 'प्रेस कमेटी' की नियुक्ति की गई थी।
- ☞ लॉर्ड वेलेजली, मिंटो, लॉर्ड एडम, कैनिग, लिटन आदि को भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता का विरोधी माना जाता है।
- ☞ लॉर्ड हेस्टिंग्स, बैंटिक, मेटकॉफ, मैकाले तथा रिपन को भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता का समर्थक माना जाता है।

महत्वपूर्ण पत्र, पत्रिकाएं एवं पुस्तके

पत्र-पत्रिकाएं एवं पुस्तकें	लेखक/संपादक
अभ्युदय, लीडर, हिंदुस्तान	मदन मोहन मालवीय
इंडियन मिरर	मनमोहन घोष, केशवचंद्र सेन
इंडिपेडेंट	मोतीलाल नेहरू
काल	शिवराम महादेव परांजपे
कामरेड, हमदर्द	मुहम्मद अली
केसरी (मराठी), द मराठा (अंग्रेजी)	बालगंगाधर तिलक
गीता रहस्य	
कर्मयोगी, युगांतर, वंदे मातरम,	अरविद घोष
लाइफ डिवाइन, सावित्री	
बंगाली, ए नेशन इन मेंकिंग	सुरेंद्रनाथ बनर्जी

Ranjeet Yadav Sir

भावानी मंदिर	बारींद्र कुमार घोष
यंग इंडिया, हरिजन, नवजीवन, हिद स्वराज, माई एक्सपेरीमेंट विद टुथ	महात्मा गांधी
संवाद कौमुदी	राजा राममोहन राय
सोम प्रकाश	ईश्वरचंद्र विद्यासागर
अमृत बाजार पत्रिका	शिशिर कुमार घोष
कॉमनवील, न्यू इंडिया	एनी बेसेंट
फ्री हिंदुस्तान	तारकनाथ दास
द रिवोल्यूशनरी	शचींद्रनाथ सान्याल
पावर्टी एड अन ब्रिटिश रूल इन इंडिया,	दादाभाई नौरोजी
रास्त गोफ्तार	
इंडिया डिवाइडेड	डा. राजेंन्द्र प्रसाद
अनहैप्पी इडियन	लाला लाजपत राय
इंडिया विन्स फ्रीडम, गुबारे खातिर, अल हिलाल	अबुल कलाम आजाद
डिस्कवरी ऑफ इंडिया, ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री, मेरी कहानी	जवाहरलाल नेहरू
हिट्स फॉर सेल्फ कल्चर	लाला हरदयाल
इंडियन अनरेस्ट	सर वैलेंटाइन शिरोल
इंडिया फॉर इडियंस	चितरंजन दास
वारॅ ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस	वीर सावरकर
होम एंड द वर्ल्ड, गीतांजलि	रबीद्रनाथ टैगोर
नील दर्पण	दीनबंधु मित्र
सोजे वतन, कर्मभूमि, शतरंज के खिलाड़ी	प्रेमचंद
बंग-ए-दर्रा, तरान-ए-हिंद	मुहम्मद इकबाल
भारत भारती	मैथिलीशरण गुप्त
भारत दुर्दशा	भारतेदु हरिश्चंद्र
कांग्रेस का इतिहास	पट्टाभि-सीतारमैय्या

Ranjeet Yadav Sir

सत्यार्थ प्रकाश	दयानंद सरस्वती
इंडियन स्ट्रगल	सुभाष चंद्र बोस
आनंदमठ, देवी चौधरानी	बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
बंदी जीवन	शचीद्रनाथ सान्याल

Ranjeet Yadav Sir